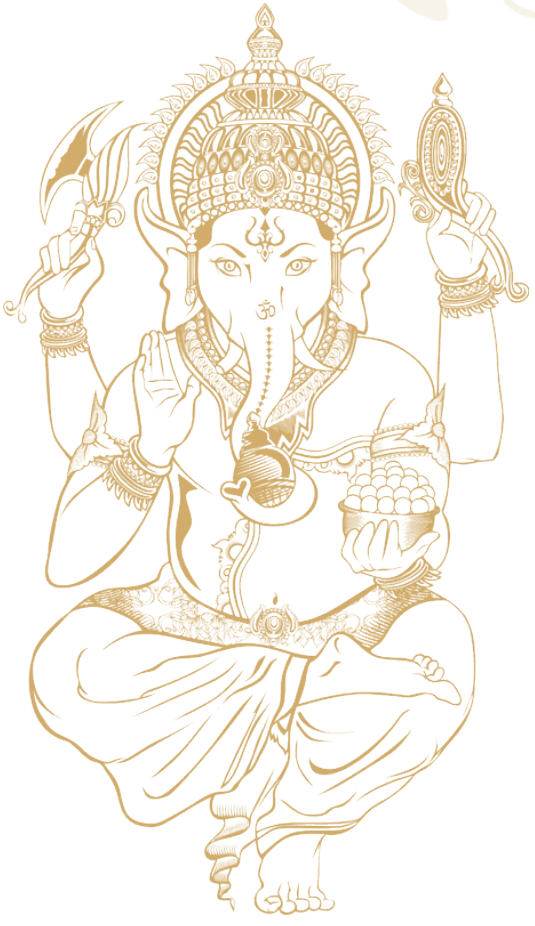

AARCHI GAUTAM

19 Dec 2018

04:00 AM

Delhi

Model: web-freekundliweb

Order No: 121338803

लिंग	स्त्रीलिंग
जन्म तिथि	**18-19/12/2018**
दिन	मंगल-बुधवार
जन्म समय	**04:00:00 घंटे**
इष्ट	52:09:30 घटी
स्थान	**Delhi**
देश	India

अक्षांश	28:39:00 उत्तर
रेखांश	77:13:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	03:38:52 घंटे
वेलान्तर	00:03:31 घंटे
साम्पातिक काल	09:28:48 घंटे
सूर्योदय	07:08:12 घंटे
सूर्यास्त	17:27:16 घंटे
दिनमान	10:19:04 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	हेमन्त
सूर्य के अंश	02:50:02 धनु
लग्न के अंश	21:15:53 तुला

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	तुला - शुक्र
राशि-स्वामी	**मेष - मंगल**
नक्षत्र-चरण	**अश्विनी - 4**
नक्षत्र स्वामी	केतु
योग	शिव
करण	विष्टि
गण	देव
योनि	अश्व
नाड़ी	आद्य
वर्ण	क्षत्रिय
वश्य	चतुष्पाद
वर्ग	मृग
युँजा	पूर्व
हंसक	अग्नि
जन्म नामाक्षर	ला-लक्ष्मी
पाया(राशि-नक्षत्र)	ताम्र - स्वर्ण
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	धनु

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			तुला	21:15:53	307:47:02	विशाखा	1	16	शुक्र	गुरु	गुरु	---
सूर्य			धनु	02:50:02	01:01:04	मूल	1	19	गुरु	केतु	शुक्र	मित्र राशि
चंद्र			मेष	12:59:07	13:21:00	अश्विनी	4	1	मंगल	केतु	बुध	सम राशि
मंगल			कुंभ	27:05:27	00:39:50	पू०भाद्रपद	3	25	शनि	गुरु	शुक्र	सम राशि
बुध			वृश्चि	11:58:57	01:11:27	अनुराधा	3	17	मंगल	शनि	चंद्र	सम राशि
गुरु			वृश्चि	14:50:59	00:13:06	अनुराधा	4	17	मंगल	शनि	राहु	मित्र राशि
शुक्र			तुला	17:23:12	00:50:36	स्वाति	4	15	शुक्र	राहु	शुक्र	मूलत्रिकोण
शनि			धनु	15:43:30	00:06:58	पूर्वाषाढ़ा	1	20	गुरु	शुक्र	सूर्य	सम राशि
राहु	व		कर्क	03:01:04	00:04:28	पुनर्वसु	4	7	चंद्र	गुरु	राहु	शत्रु राशि
केतु	व		मक	03:01:04	00:04:28	उत्तराषाढ़ा	2	21	शनि	सूर्य	शनि	शत्रु राशि
हर्ष	व		मेष	04:38:08	00:00:57	अश्विनी	2	1	मंगल	केतु	चंद्र	---
नेप			कुंभ	19:44:23	00:00:49	शतभिषा	4	24	शनि	राहु	मंगल	---
प्लूटो			धनु	26:02:59	00:01:54	पूर्वाषाढ़ा	4	20	गुरु	शुक्र	केतु	---
दशम भाव			कर्क	25:40:07	--	आश्लेषा	--	9	चंद्र	बुध	राहु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:07:03

लग्न-चलित

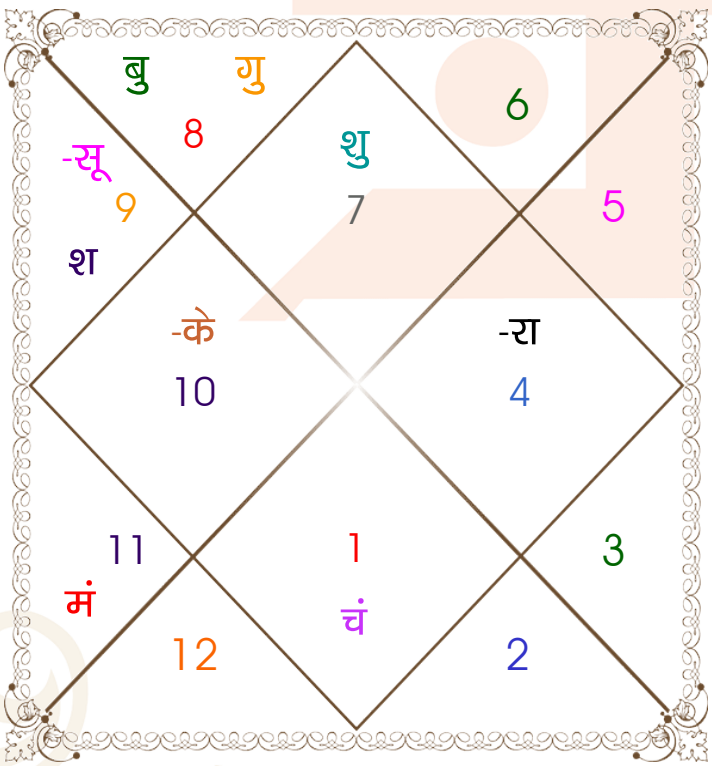

चन्द्र कुंडली

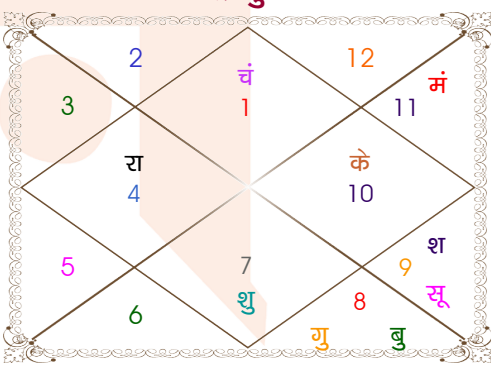

नवमांश कुंडली

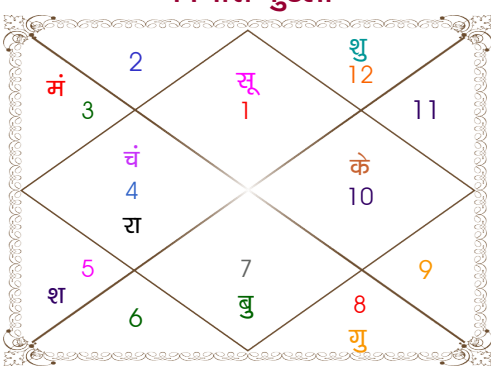

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : केतु 0 वर्ष 2 मास 5 दिन

केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष	
19/12/2018		23/02/2019		23/02/2039		23/02/2045		23/02/2055	
23/02/2019		23/02/2039		23/02/2045		23/02/2055		23/02/2062	
	00/00/0000	शुक्र	25/06/2022	सूर्य	13/06/2039	चंद्र	24/12/2045	मंगल	23/07/2055
	00/00/0000	सूर्य	25/06/2023	चंद्र	13/12/2039	मंगल	25/07/2046	राहु	09/08/2056
	00/00/0000	चंद्र	23/02/2025	मंगल	18/04/2040	राहु	24/01/2048	गुरु	16/07/2057
	00/00/0000	मंगल	25/04/2026	राहु	13/03/2041	गुरु	25/05/2049	शनि	25/08/2058
	00/00/0000	राहु	25/04/2029	गुरु	30/12/2041	शनि	25/12/2050	बुध	22/08/2059
	00/00/0000	गुरु	25/12/2031	शनि	12/12/2042	बुध	25/05/2052	केतु	18/01/2060
	00/00/0000	शनि	23/02/2035	बुध	19/10/2043	केतु	24/12/2052	शुक्र	19/03/2061
	19/12/2018	बुध	24/12/2037	केतु	24/02/2044	शुक्र	25/08/2054	सूर्य	25/07/2061
बुध	23/02/2019	केतु	23/02/2039	शुक्र	23/02/2045	सूर्य	23/02/2055	चंद्र	23/02/2062

राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष	
23/02/2062		24/02/2080		24/02/2096		24/02/2115		25/02/2132	
24/02/2080		24/02/2096		24/02/2115		25/02/2132		20/12/2138	
राहु	05/11/2064	गुरु	13/04/2082	शनि	26/02/2099	बुध	23/07/2117	केतु	23/07/2132
गुरु	01/04/2067	शनि	24/10/2084	बुध	07/11/2101	केतु	20/07/2118	शुक्र	22/09/2133
शनि	05/02/2070	बुध	30/01/2087	केतु	16/12/2102	शुक्र	20/05/2121	सूर्य	28/01/2134
बुध	24/08/2072	केतु	06/01/2088	शुक्र	15/02/2106	सूर्य	27/03/2122	चंद्र	29/08/2134
केतु	12/09/2073	शुक्र	06/09/2090	सूर्य	28/01/2107	चंद्र	26/08/2123	मंगल	25/01/2135
शुक्र	12/09/2076	सूर्य	25/06/2091	चंद्र	28/08/2108	मंगल	22/08/2124	राहु	12/02/2136
सूर्य	06/08/2077	चंद्र	24/10/2092	मंगल	07/10/2109	राहु	12/03/2127	गुरु	18/01/2137
चंद्र	05/02/2079	मंगल	30/09/2093	राहु	13/08/2112	गुरु	17/06/2129	शनि	27/02/2138
मंगल	24/02/2080	राहु	24/02/2096	गुरु	24/02/2115	शनि	25/02/2132	बुध	20/12/2138

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल केतु 0 वर्ष 2 मा 5 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म विशाखा नक्षत्र के प्रथम चरण में तुला लग्नोदय काल हुआ था। तुला लग्न के संयोजन से मेदिनीय क्षितिज पर जन्मकाल मेष नवमांश एवं मिथुन द्रेष्काण से यह स्मरणीय है कि आप अत्यंत आलसी प्रवृति की प्राणी हैं। इसके प्रभाव से यह भी स्पष्ट है कि आपका भविष्य ईश्वर की अनुकंपा से सांसारिक सुखों से युक्त एवं आप विलासप्रिय जीवन व्यतीत करेंगी।

आप धन संचित करने के लिए अन्य की अपेक्षा अति अनुकूल तरीके से प्रस्तुत होंगी। इस बात से यह भी स्पष्ट है कि आपमें धनोपार्जन के सभी दाव पेंच विद्यमान है। साथ ही आप दो पक्ष को कलह की स्थिति में लाकर अपना लाभ प्राप्त करेंगी। आप मुख्य रूप से अपनी आयु के प्रथम 21 वें वर्ष से 38 वें वर्ष तक 34 वे वर्ष के समयावधि में बहुत धन उपार्जन करेंगी।

आप अनुचित तरीके से बहुसंख्यक व्यक्तियों पर अहंकार की भावना से अधीर होकर आक्रमणकारी रूख आपना कर उसे तंग करने की प्रवृति रखेंगी। अधिकांश व्यक्ति जो आपके संपर्क में आएंगे वे आपकी बचकाना आचरण से अप्रसन्न रह कर आपके शत्रु बन जाएंगे। परंतु आपको अपनी चारित्रिक उच्चता हेतु उत्तम यह है कि आप शक्ति सम्पन्नता प्राप्त करें। अर्थात् मानवीय शक्ति संग्रह करें। तथापि वे लोग आपके स्थायी शत्रु बन ही जाएंगे।

आपका संदिग्ध चरित्र आपकी प्रभावशाली छवि को बेनकाव कर आपको बहुचर्चित एवं कुख्यात प्रदर्शित करेगा। आप धैर्यपूर्वक अपने व्यवहार को नीति पूर्ण बनाकर व्यवहारणीय बनाएं। अन्यथा आपकी समस्त धारणा कलुषित प्रमाणित होगी।

यदि आपकी ऐसी अभिलाषा है कि आप अपने घरेलू वातावरण एवं अपने परिवारिक जीवन को सुव्यवस्थित रखें तो सदा सर्वदा के लिए कुटनीतिज्ञ तरीके का संपादन करना अनुकूल होगा।

संप्रति आप अति वासना प्रिय महिला हैं। अगर आप अपने जीवन संगी की सभी आवश्यकताओं की पूर्ति नहीं कर सकी तथा वातावरण छिन्न भिन्न रहा तो आप संतुष्ट तथा प्रसन्न नहीं रहेंगी। आप सावधानी पूर्वक पारिवारिक एवं घरेलू जीवन प्रसन्नतापूर्वक व्यतीत हो सकता है।

आपके पति आपको सदैव अच्छी प्रकार से प्रसन्न रखेंगे तथा ऐसी आशा है कि आप सदैव अच्छी संतानों का सुख प्राप्त करेंगी।

आप निरंतर कुशलता पूर्वक सक्रिय रहने वाली प्राणी हैं। आप धनोपार्जन हेतु पूर्ण रूपेण लक्ष्य के प्रति समर्पित होकर अनेक यात्रा करेंगी। आप असामयिक भोजन एवं मद्य पान एवं अति भोजन के कुप्रभाव से कुछ समय के पश्चात आपके उत्तम स्वास्थ्य को प्रभावित कर देगा। आप यदि ऐसा चाहती हैं कि भविष्य में संभावित रोग यथा ट्यूमर, रक्त प्रवाह की न्यूनता संबंधी आदि रोगों से मुक्त रहें तथा मस्तिष्क रोग एवं मूत्र संबंधी रोग की परेशानी से

वंचित रहें तो खान-पान के संबंध में सतर्कता पूर्वक आचरण करें।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन शनिवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरूवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नही है। बुधवार आप के लिए मध्य फलदायक है।

आप अंकों में 3, 5, 6 एवं 9 अंक को छोड़कर 1, 2, 4 एवं 7 अंक का व्यवहार करें क्योंकि ये अंक अनुकूल फलदायी है।

आप रंगों में लाल, नारंगी एवं सफेद रंग को धारण करें तथा रंग पीला एवं हरा रंग आपके लिए त्याज्य हैं।